मुळा एज्युकेशन सोसायटीचे,

कला, वाणिज्य आणि विज्ञान कॉलेज

सोनई

ता. नेवासा, जि. अ. नगर.

"माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थीयों को हिंदी बोलने में आनेवाली समस्या"

विद्यार्थ्याचे नाव

कु. गुंजाळ सिमा तुकाराम

मार्गदर्शक

प्राॅ. चौधरे एस. बी.

प्रा. देशमुख एस. ए.

शैक्षणिक वर्ष

M.A. I (Semi II) Hindi

२०१९-२०२०

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

अनुक्रमणिका

अ.न.	नावे	पान.न.
१.	मुखपृष्ठ	I
२.	अनुक्रमणिका	II
३.	प्रस्तावना	४
४.	उद्दिष्टये	६
५.	हिंदी बोलतेसमय आनेवाली समस्या -	७
५.१.	विद्यार्थ्यांची नावे नाम	९
५.२.	प्रश्नावली	११
५.३.	विश्लेषण	१८
६.	सर्वसाधारण निरीक्षण	२४

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

अ.न.	नावे	पान नं.
७.	आलेख	२५
८.	आलेख वर्णन	२७
९.	वर्तमान स्थिती	२८
१०.	उपाययोजना	२९
११.	निष्कर्ष	३०
१२.	समारोप	३१
१३.	संदर्भग्रंथ	३२
१४.	प्रश्नावली	३३

Scanned by TapScanner

२. प्रस्तावना

भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारोंको व्यक्त कर सकते हैं और इसके लिए हम वाचिक ध्वनियोंका प्रयोग करते हैं।

भाषा मुख से उच्चारित होनेवाले शब्दों और वाक्यों आदि का वह समूह है जिनके द्वारा मन की बात बताई जाती है। किसी भाषा की सभी ध्वनियों के प्रतिनिधि स्वर एक व्यवस्था में मिलकर एक संपूर्ण भाषा की अवधारणा बनाते हैं। व्यक्त नाद की वह समाष्टि जिसकी सहायता से किसी एक समाज या देश के लोग अपने मनोगत भाव तथा विचार एक दुसरे से प्रकट करते हैं। मुख से उच्चारित होनेवाले शब्दों और वाक्यो आदी का वह समूह जिनके द्वारा मन की बात बताई जाती हैं जैसे बोली, जबान, वाणी विशेष।

सामान्यत: भाषा को वैचारिक आदान-प्रदान का माध्यम कहा जा सकता है। भाषा आभ्यंतर अभिव्यक्ति का सर्वाधिक विश्वसनीय माध्यम है। यदी नहीं वह हमारे आभ्यंतर के निर्माण, विकास, हमारी आस्मिता, सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान का भी साधन है। भाषा

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

के बिना मनुष्य सर्वथा अपूर्ण है और अपने इतिहास तथा परंपरा से विच्छिन्न है।

हिंदी भाषा भाषाविज्ञान की दृष्टि से भाषाओं के आर्य वर्ग की भारतीय आर्य शाखा की एक भाषा है, और ब्रजभाषा, अवधी, बुंदेलखंडी आदी इसकी उपभाषाएँ या बोलियाँ है। पास पास बोली जानेवाली अनेक उपभाषाओं या बोलियोंमें बहुत कुछ साम्य होता है, और उसी साम्य के आधार पर उनके वर्ग या कुल स्थापित किए जाते है।

Scanned by TapScanner

४. उद्दिष्टये

१. माध्यमिक स्तर के छात्रोंको हिंदी बोलते समय आनेवाली कठिनाई की जानकारी लेना।

२. माध्यमिक स्तर के छात्रोंके साथ हिंदी में कुछ वार्तालाप करना। या कुछ विषयपर बोलना कहना।

३. बोलतेसमय कौनसी समस्या आती है इनकी जानकारी लिखना।

४. छात्रोंको हिंदी बोलने के लिए प्रोत्साहित करना।

५. छात्रोंको हिंदी बोलतेसमय आनेवाली समस्या पर उपाययोजना बताना।

६. हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है इसलिए हिंदी बोलने के लिए तैयार करना।

daram®
FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

५. हिंदी बोलते समय

आनेवाली समस्या

माध्यमिक स्तर के छात्र हिंदी बोलते समय या पढ़ते समय बहुत सारी समस्या आती है। हमारी मातृभाषा मराठी होने के कारण, बहुत सारे शब्द हिंदी में मालूम नहीं होते।

अंग्रेजों के भारत में आने के समय तक भारत के आम नागरिक दैनिक कार्यों में स्थानिय भाषाओं का व्यवहार करते थे; उच्च शिक्षा, शास्त्रीय चर्चा जैसे कार्यों के लिए संस्कृत का व्यवहार करते थे। मुस्लिम सभ्यता के संपर्क के बाद किन्ही - किन्ही कार्यों के लिए फारसी का प्रयोग भी होने लगा था।

अँग्रेज़ों ने सत्ता हाथियाने पर तो हिंदी-उर्दू मिश्रित भाषा में सरकारी कामकाज किया, पर बाद में अँग्रेजी को सरकारी कामकाज की भाषा बनाया, ताकि वह साश

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

काम उनकी देख-रेख में चले। इस काम के लिए उन्हें भारतीय भाषाओं को जानने वाले ऐसे भारतीय चाहिए थे।

आज की तल्ख हकीकत यह है कि बच्चों को हिंदी लिखने और पढ़ने में खास दिक्कत आती है। ऐसा इसलिए भी होता है कि हमारे बच्चों को सही हिंदी सुनने और लिखने का अवसर ही नहीं मिलता। जिस तरह की हिंदी बच्चों के परिवेश में मिलती है उसी से उनकी हिंदी बनती और संवरती है।

माध्यमिक स्तर के छात्रों को हिंदी बोलते समय बहुत सारी समस्याएँ आती है। उनका विश्लेषण विस्तृत में :-

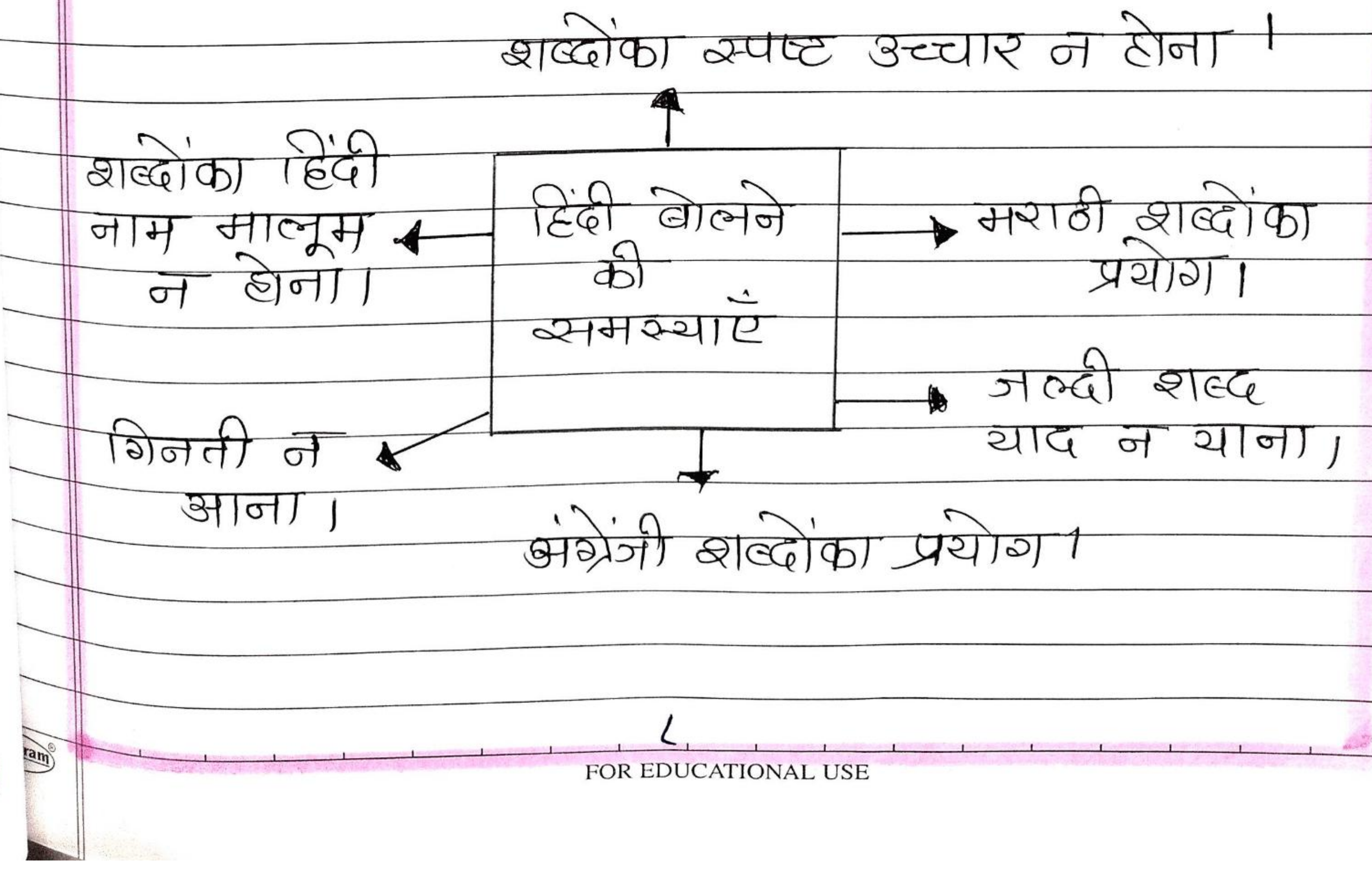

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

इयत्ता - ८वी

५.१. विदयार्थ्यांची नावे

अ.न.	विदयार्थ्यांच्या नावाचा तपशील
१.	बाचकर आदित्य संदीप
२.	बानकर श्रावणी अशोक
३.	भुसारी प्रियंका संदीप
४.	घुगरकर जयेश बबनराव
५.	काठमोरे प्रसाद शंकर
६.	खोजे वृषाली कचरू
७.	कुसळकर दिप्ती शेटिबा
८.	भांडे सार्थक नारायण
९.	मदगे आकांक्षा रोहिदास
१०.	नेटके यश अनिल
११.	सरोदे कार्तिक पांडुरंग
१२.	शहारे तुषार सुनिल
१३.	विरकर शुभम गोरक्षनाथ
१४.	सय्यद मुन्ना समशेर
१५.	निकम ऋषीकेश शरद
१६.	आदमने पल्लवी बाबासाहेब
१७.	वानखडे वरद संतोष
१८.	कुसळकर स्वीटी संतोष
१९.	बेल्हेकर अभिषेक सुनिल
२०.	शेख अबुजर जावेद

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

अ.न.	विदयार्थ्यांची नावे
२१.	शिंदे आदित्य दिलीप
२२.	सरोदे अनिकेत सुनिल
२३.	बर्डे सोनाली राजू
२४.	वैरागर दिपाली शेख
२५.	कचरे वैशाली संतोष
२६.	देवकाते घीरज देविदास
२७.	सोनवणे विशाल पांडुरंग
२८.	मंडलिक अभिषेक वेणुनाथ
२९.	डमरे कुणाल संतोष
३०.	मनसुरी नाजमीन राजू

Scanned by TapScanner

समस्याएँ

१. बच्चोंको माध्यमिक स्तर पर हिंदी बोलते समय कौनसी समस्याएं आती है। यह जानने के लिए बच्चोंके साथ कुछ चित्र दिखाकर, बिनती पूँछकर, कुछ सवाल पूँछकर जानने की कोशिश की है।

बच्चों को पूँछे गए कुछ सवाल :-

५.२. प्रश्नावली

१) चित्रवर्णन :

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

यह भारतीय किसान का चित्र है। किसान परिश्रम एवं सरलता की मूर्ति होता है। वह अपने कठोर परिश्रम से बंजर धरती को भी हरा-भरा बना देता है। किसान अनाज उगाकर दुसरों का पेट भरता है। उसका पश्चिमी जीवन देखकर ही हमारे पूर्व प्रधानमंत्री ने 'जय जवान जय किसान' का नारा दिया था।

2]

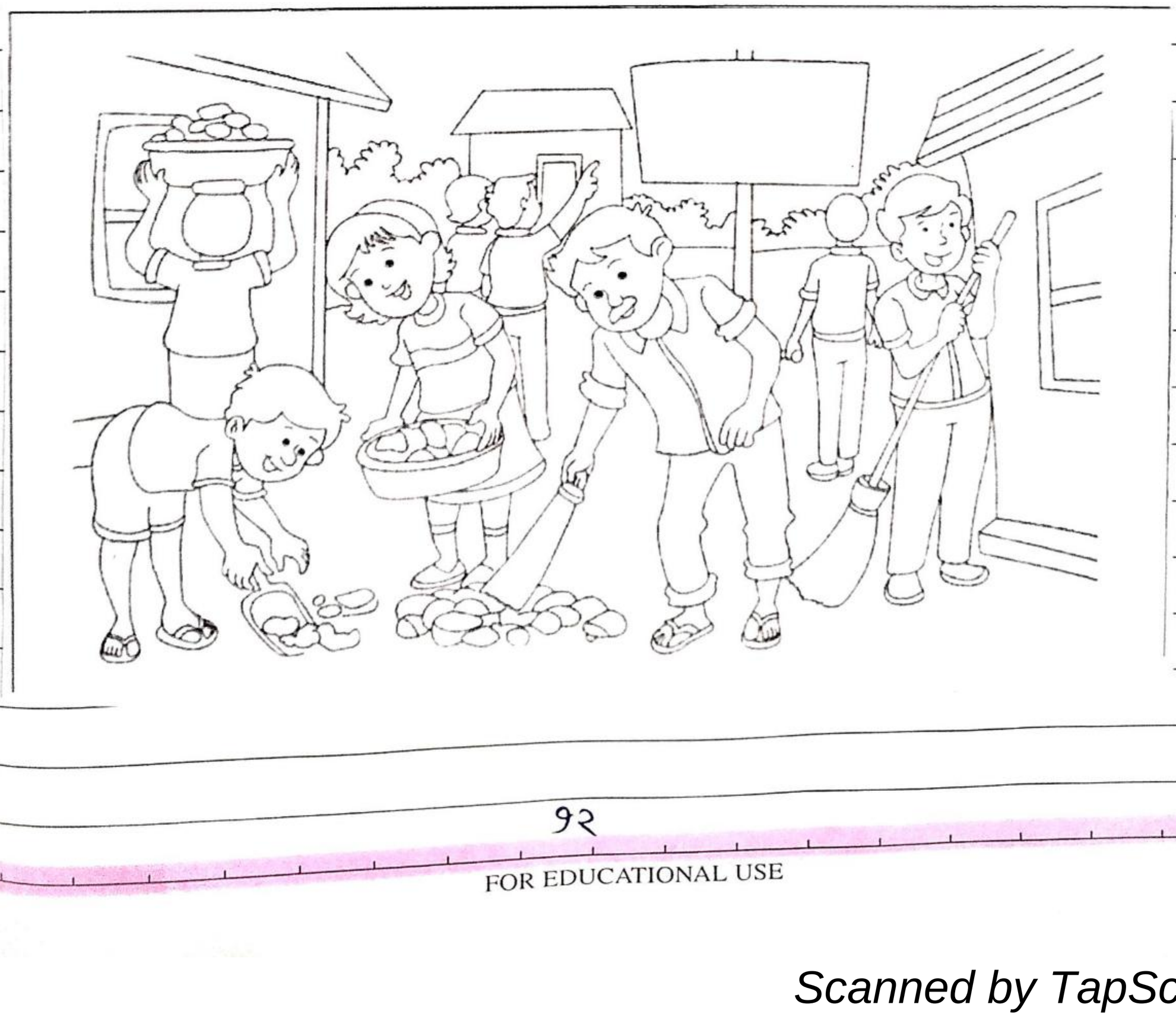

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

यह चित्र 'स्वच्छ भारत अभियान' से संबंधित है। लोग अपने आसपास साफ-सफाई रखने के लिए हाथों में झाड़ू उठा लिया है। वे कूड़ा उठाकर डस्टबिन में डाल रहे हैं। बच्चे इस अभियान को सफल बनाने के लिए अति उत्साहित है। ऐसा हम सबको हर समय करना चाहिए ताकि हमारा देश स्वच्छ हो और स्वस्थ हो।

Scanned by TapScanner

2] गिनती :-

१	एक	२६	छब्बीस
२	दो	२७	सताइस
३	तीन	२८	अठ्ठाइस
४	चार	२९	उनतीस
५	पाँच	३०	तीस
६	छह	३१	इकतीस
७	सात	३२	बतीस
८	आठ	३३	तैंतीस
९	नौ	३४	चौंतीस
१०	दस	३५	पैंतीस
११	ग्यारह	३६	छतीस
१२	बारह	३७	सैंतीस
१३	तेरह	३८	अड़तीस
१४	चौदह	३९	उनतालीस
१५	पंद्रह	४०	चालीस
१६	सोलह	४१	इकतालीस
१७	सत्रह	४२	बयालीस
१८	अठारह	४३	तैंतालीस
१९	उन्नीस	४४	चवालीस
२०	बीस	४५	पैंतालीस
२१	इकीस	४६	छयालिस
२२	बाईस	४७	सैंतालीस
२३	तेईस	४८	अड़तालीस
२४	चोबीस	४९	उनचास
२५	पच्चीस	५०	पचास

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

५१	इक्यावन	७६	छिहत्तर
५२	बावन	७७	सतहत्तर
५३	तिरपन	७८	अठ्ठत्तर
५४	चौवन	७९	उनासी
५५	पचपन	८०	अस्सी
५६	छप्पन	८१	इक्यासी
५७	सत्तावन	८२	बयासी
५८	अठ्ठावन	८३	तिरासी
५९	उनसठ	८४	चौरासी
६०	साठ	८५	पचासी
६१	इकसठ	८६	छियासी
६२	बासठ	८७	सत्तासी
६३	तिरसठ	८८	अठ्ठासी
६४	चौंसठ	८९	नवासी
६५	पैंसठ	९०	नब्बे
६६	छियासठ	९१	इक्यानबे
६७	सतसठ	९२	बानबे
६८	अड़सठ	९३	तिरानबे
६९	उनहत्तर	९४	चौरानबे
७०	सत्तर	९५	पचानबे
७१	इकहत्तर	९६	छियानबे
७२	बहत्तर	९७	सत्तानबे
७३	तिहत्तर	९८	अठानबे
७४	चौंहत्तर	९९	निन्यानबे
७५	पचहत्तर	१००	सौ

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

3] आपने अपने परिसर में देखे हुए वृक्षों के, पशु, पक्षीओंके नाम बताओ।

वृक्षोंके नाम -	पक्षीके नाम -	पशुओंके नाम -
१) नीम	१) कबूतर	१) खरगोश
२) बरगद	२) मुर्गी	२) हाथी
३) चंदन	३) मोर	३) बगुला
४) नारियल	४) कौआ	४) घोड़ा
५) आम	५) तोता	५) शेर
६) पीपल	६) बतख	६) बिल्ली
७) गुलमोहर	७) बुलबुल	७) कुत्ता
८) खजूर	८) हंस	८) ऊँट
९) सेब		९) बकरी

४) जल का महत्व स्पष्ट करो।

जल ही जीवन है। पृथ्वी पर रहने वाले प्रत्येक जीव को जीवित रहने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। पौधों को मिट्टी से पोषक तत्वोंको प्राप्त करने और पोषित रहने के लिए पानी की आवश्यकता होती है, जानवरों को अपनी प्यास बुझाने के लिए पानी की आवश्यकता होती है और कुछ नाम रखने के लिए मनुष्य को पिने, खाना पकाने, सफाई और धोने सहित कई उद्देश्योंके लिए पानी की आवश्यकता होती है।

FOR EDUCATIONAL USE
Scanned by TapScanner

५) चित्र को देखकर हिंदी नाम बताओ।

१) नाणे - सिक्का

२) पेला - प्याला

३) बशी - तश्तरी

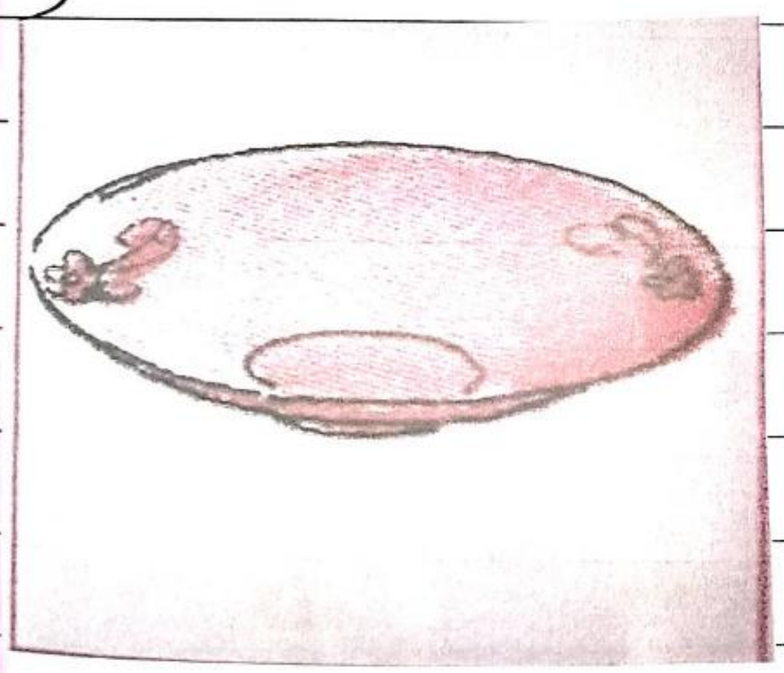

४) सदरा - कमीज

५) शाळा - पाठशाला

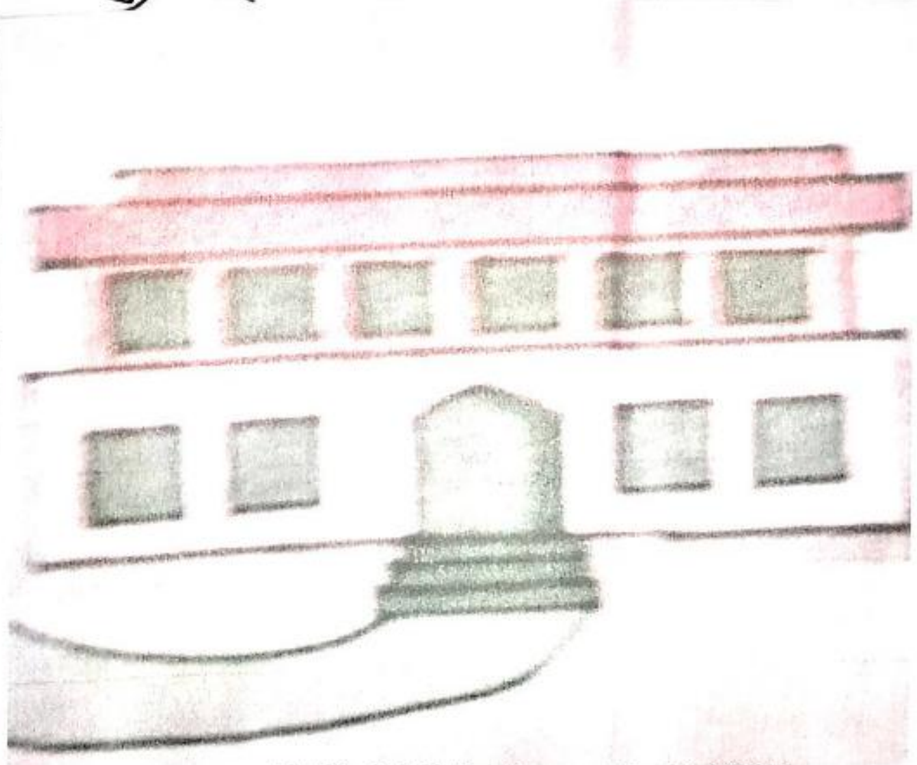

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

4.3 विश्लेषन

सदर कार्य या माध्यमिक स्तर के छात्रोको हिंदी भाषा बोलते समय कौन-कौनसी कठिनाईयाँ आती है। यह देखने के लिए कक्षा ७वी और ८वी के कुछ बच्चों की यादी बनाकर उनके साथ बातचीत करने के लिए कुछ प्रश्न। प्रश्नावली तैयार की है। बच्चोंके साथ बात करते समय पता चल जाएँगा की उन्हे कौनसी समस्या आती है। यह देखा गया। इसके लिए एक प्रश्नावली तैयार की गई है। कक्षा ७वी और ८वी के छात्रों को एक साथ बिठाकर उस प्रश्नावली के आधार पर प्रश्न पूछे गए थे। वह प्रश्नोंके उत्तर कैसे देते यह देखा गया। तब बच्चोंके जो समस्या आती है, वह देखा गया।

१) शब्दोंका उच्चार गलत करना -

२) चित्रोंका वर्णन -
छात्रोंको दो चित्र दिखाकर उनका वर्णन करने के लिए कहा गया। बच्चों को चित्र का वर्णन करते समय (हिंदी) बोलते समय बहुत समस्या उत्पन्न हुई।

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

समस्या -

१) शब्द उच्चार गलत -

चित्र का वर्णन करते समय कच्चा शब्द कुड़ा ऐसे शब्दोंका उच्चार गलत आता है। परिश्रम, बंजर जैसे शब्दोंका गलत उच्चारण किया।

२) मराठी शब्दोंका प्रयोग -

चित्र का वर्णन में दुसरी समस्या थी मराठी शब्दोंका प्रयोग। बहुत सारे विद्यार्थीओंकी मातृभाषा मराठी होने कारण मराठी शब्दोंका प्रयोग किया गया। जैसे, कठीण, कष्ट, स्वच्छता आदी।

३) अंग्रेजी शब्दोंका प्रयोग -

हिंदी बोलने में अड़सर आनेवाली और एक समस्या है अंग्रेजी शब्दोंका प्रयोग। वर्णन करते समय बहुत सारे अंग्रेजी ही शब्द आगे आते है। जैसे - डस्टबीन।

४) घबराकर बोलने की समस्या -

हिंदी मातृभाषा न होने के कारण बहुत सारे बच्चे घबराकर बोलते है। और अड़खलते है। जैसे मराठी भाषा में बाते करते है वैसे हिंदी मे नहीं करते। घबराते है।

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

Scanned by TapScanner

2] गिनती :-

बच्चोंको दुसरा प्रश्न गिनती का पूछा गया था। बच्चोंको गिनती आती ही नहीं। हिंदी गिनती के कुछ नंबर याने अंक मराठी में ही बताते है। कोनसे नंबर को हिंदी में क्या बोलते है। वह याद नहीं आता, मराठी में ही याद आता है।
उदा. जैसे १) ९ - नऊ बोलते है। नौ बोलने की
२) २१ - एकवीस आदी। बजाय।

3] पशु - पक्षी और वृक्षोंके नाम :-

छात्रोंको तिसरा प्रश्न पशु - पक्षी और वृक्षोंके नाम बताने के लिए कहा गया। पशु - पक्षीओं के नाम याद नहीं आते। वैसे ही वृक्षोंके नाम बताते समय मराठी नाम ही बताते है।
उदा. बरगद बोलने की बजाय वड बोलते है।

4] जल का महत्त्व स्पष्ट करो।

आगे का प्रश्नावली में से प्रश्न जल का महत्त्व स्पष्ट करो यह था। जल का महत्त्व बताते समय हिंदी भाषा मे बताते समय मराठी शब्दो और कुछ अंग्रेजी शब्दोंका प्रयोग होता है।

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

5) चित्र दिखाकर हिंदी नाम बताओ।

छात्रों को कुछ चित्र दिखाकर उनके नाम बोलने के लिए कहा गया। बच्चो को नाम नहीं आते थे।

उदा) नाणे का चित्र दिखाया गया, नही उनको बता पाते हिंदी नाम जैसे सिक्का आदी।
२) शर्ट को शर्ट बोलते है।

Scanned by TapScanner

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

६. सर्वसाधारण निरीक्षण

सभी छात्रों को प्रश्न प्रश्नावली के आधार पर पूछे गए। बच्चों जवाब भी दिए। सभी बच्चोंमें से किन किन और कितने बच्चोंकी गलतियां हुई है। इन सब बात नोंद की गई।

अ.न.	तपशील	छात्रोंकी संख्या
१.	चित्रवर्णन	१७
२	गिनती	२२
३	पशु-पक्षी और वृक्षों के नाम	१२
४.	जल का महत्त्व	१५
५.	चित्र दिखाकर हिंदी नाम बताओ	९

३० में से ऊपर दिए गए छात्रों के नंबर से पता चलता है कि, कितने सारे बच्चोंको हिंदी बोलने में समस्या आती है।

Scanned by TapScanner

७. आलेख

Scanned by TapScanner

Scanned by TapScanner

८. आलेख वर्णन

प्रश्नावली के आधार पर पूछे गए प्रश्नोंके अनुरूप छात्रों को गुण दिए गए है। उनके गुणोंके आधार पर आलेख बनाया है। आलेख से यह पता चलता है कि हिंदी बोलते समय छात्रों की कितनी गलतीयाँ होती है।

चित्रवर्णन में छात्रोंकी बहुत सारी गलतियाँ हुई है। और गिनती मे तो सबसे ज्यादा गलतियाँ हुई है। सबसे कम गलतियाँ चित्र दिखाकर नाम पूछने मे हुई है।

इस सबसे यह पता चलता है कि, बहुत सारी छात्रों को हिंदी बोलने मे बहुत सारे कठिनाईयाँ आई है। इनके बहुत सारे कारण है। इसमे मराठी शब्द, अंग्रेजी शब्द, और नाम मालूम न होना यह अक्सर आते है।

९. वर्तमान स्थिती

वर्तमान समय में अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के अनुसार माध्यमिक स्तर तक मातृभाषा को शिक्षा का माध्यम स्वीकार किया गया है, परंतु उच्च शिक्षा स्तर पर आज भी यह समस्या बनी है कि, क्या इस स्तर पर शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी ही हो। अनेक महाविद्यालयों में अधिकांश विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान किया जा रहा है। अनेक महाविद्यालयों में अधिकांश शिक्षा हिंदी भाषा के माध्यम क्षेत्रों मे ही है, केंद्र शासित क्षेत्रों व केंद्रीय विश्व-विद्यालयों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी ही है। अनेक शिक्षा-संस्थाओं में हिंदी या क्षेत्रीय भाषा तथा अंग्रेजी भाषाओं के माध्यम से शिक्षा प्रदान व प्राप्त की जाती है।

इस प्रकार अंग्रेजी और हिंदी के मुद्दे पर फंसकर शिक्षा के माध्यम की भाषा एक बहुत बडी समस्या बन गयी है, और इस अनसुलझी समस्याने शिक्षा के स्तर को एकदम निम्न स्थिती में पहुंचा दिया है।

Scanned by TapScanner

१०. उपाययोजना

- जिस प्रकार अँग्रेजी माध्यम की स्कूल को महत्व दिया गया है, उसी प्रकार हिंदी भाषा का स्थान भी मिलना चाहिए।

- बच्चो को या छात्रों को परिस्थीति आधारित शब्द सिखाएं कई बार वो अचानक ही कोई कठिण शब्द सही बोलने लगते है।

- बच्चों के साथ हाँ, ना, आना-जाना, बाहर-अंदर आदी से जुड़े सवाल करते रहना चाहिए।

- छात्रों की पसंद की कोई वस्तु इशारे से मांगने पर आप उसे इंतजार करवाएं.. फिर सही नाम बता कर उसे वो चीज बोल कर मांगने को कहें, अपनी पसंदीदा चीज लेने के लिए बच्चा हर संभव प्रयास करेगा।

- बोलना सिखने के लिए बच्चों की इंटरनेट पर कई विडीयों उपलब्ध हैं आप बच्चे को प्रोत्साहित करने के लिए उनका इस्तेमाल करना चाहिए।

११. निष्कर्ष

छात्रों को हिंदी भाषा में आई हुई कठिनाईयाँ आती है। उनको दूर करने के लिए बच्चों को हिंदी बोलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

छात्रों के साथ हिंदी में बाते करना चाहिए।

जिसप्रकार मातृभाषा और अंग्रेजी का स्थान महत्वपूर्ण बताया है। वही स्थान हिंदी को भी मिलना चाहिए।

हिंदी भाषा में कुछ सवाल पूँछ कर उनको हिंदी बोलने के प्रोत्साहित करना।

चित्र दिखाकर वर्णन करने के लिए प्रोत्साहित करना।

हिंदी में बोलना शुरु हुआ तो छात्र आपोआप छात्र हिंदी बोलना सीख जाते है।

Scanned by TapScanner

५. समारोप

माध्यमिक विदयालय में छात्रों को हिंदी
पढ़ते समय आनेवाली समस्या' इस विषय
में छात्रों
का अध्ययन करते समय सच में छात्रों
को हिंदी बोलने में अनेक कठिनाइयाँ आती
है। इन समस्या दूर करने के लिए अध्यापक
और पालक सब की जिम्मेदारियाँ महत्त्वपूर्ण
है। इन समस्या और निष्कर्ष वर्तमान
स्थिती और समस्या को आधार पर
उपाययोजना स्पष्ट किया है। इसके लिए
प्रत्यक्ष स्कूल में जाकर बच्चोंको कौनसी
समस्या आती है। इनकी जानकारी ली।
और इसके आधार पर उपाययोजना भी
दी गई है।

Scanned by TapScanner

१३. संदर्भग्रंथ

१. सिंह ए.के. (२००९) शिक्षा में शोध विधियाँ, दिल्ली, मोती लाल बनारसी दास।

२. सक्सेना, ज्योत्सना व विशेष पाल सिंह (२००८) माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की शिक्षण प्रभावशीलता एवं व्यावसायिक सन्तुष्टि.

३. सिंह, एन.के (२००६) माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की अधिगम शैलियों पर उनकी संवेगात्मक बुद्धी के पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन।

४. बाजपेयी एल.बी. (२००४) शिक्षा में नवाचार एवं तकनीकी, लखनऊ, आलोक प्रकाशन।

५. भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका (1994) सरस्वती कुंज निरालानगर, लखनऊ।

६. भारतीय, ओम प्रकाश (२०११) जनसंचार माध्यम और भारतीय समाज.

७. कौल, लोकेश (२०००) शैक्षणिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली. नई दिल्ली, विकास पब्लिशिंग हाऊस प्राइवेट

Scanned by TapScanner

मार्गनिर्देश

अदर प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करने के लिए
अध्यापक आठवी कक्षा के छात्र, स्कूल
[illegible] और मेरी सहेलीयां इन सबका
मार्गदर्शन मुझे मिला। मैं सबकी आभारी

नाव: गुंजाळ रसिमा तुकाराम